हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 2 जून 2025

11 भगवान श्रीराम के विवाह का सुनाया वृतांत

12 सैनी ने मुख्यमंत्री से फिर लगाई गुहार

खबर संक्षेप

जयवीर अखाड़े में कुश्ती प्रतियोगिता आज से

बहादुरगढ़। बुपनिया स्थित जयवीर अखाड़े में जिला स्तरीख अखाड़ा व जिला कुमार तथा केसरी दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय प्रतियोगिता सोमवार दो जून से शुरू हो रही है। इस बारे में जानकारी देते हुए अखाड़ा संचालक जयवीर ने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहलवान निर्धारित समय पर अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचे। विजेता खिलाड़ी राज्यस्तर पर होने वाली प्रतियोगिता व दंगल के लिए चुने जाएंगे।

सांखोल में 11 को मनेगा कबीर प्रकटोत्सव

बहादुरगढ़। रविवार को डॉ अंबेडकर फाउंडेशन सांखोल की एक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रदीप तंवर ने की। उन्होंने बताया कि 11 जून को सतगुरु कबीर साहेब जी का 628वां प्रकट दिवस गांव सांखोल में धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सांखोल में दिल्ली रोहतक रोड पर स्थित डॉ अंबेडकर भवन में सुबह 9 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। भंडारा दोपहर 12 बजे से सतगुरु इच्छा चलेगा। बैठक में रमेश तंवर, नरेश तंवर, शशि तंवर, एडवोकेट कृष्ण तंवर, राजकरण, राजपाल, विकासदीप, अमित तंवर, आकाशदीप तंवर, शमशेर, करण सिंह चौहान, अंकित तंवर सहित अन्य मौजूद रहे।

पद्म पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई तक करें नामांकन

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिनकी अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 निर्धारित की गई है।

सेक्टर-2 में किड्स समर कैंप शुरू

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-2 स्थित विश्व शांति भवन में ब्रह्माकुमारी संस्थान की तरफ से किड्स समर कैंप का शुभारंभ हुआ। कैंप का आयोजन एक से 4 जून तक होगा। इसमें 7 से 13 वर्ष के बच्चे भाग ले रहे हैं। इस दौरान बीके विनीता ने बच्चों के उज्जवल भविष्य में नैतिकता की भूमिका पर प्रकाश डाला। बीके विनीता ने बताया कि शिक्षा के माध्यम से बच्चे का सर्वांगीण विकास का प्रयास किया जाता है। शिक्षा द्वारा बच्चे के व्यवहार में परिवर्तन लाया जाता है। एक शिक्षक अपनी शिक्षण क्रियाओं से छात्रों को काफी कुछ सिखाता है। हालांकि वर्तमान शिक्षा केवल किताबी ज्ञान ही अधिक देती है। उनका केवल शैक्षिक विकास होता है। नैतिक व सामाजिक विकास अच्छी तरह से नहीं हो पा रहा।

कोविड को लेकर अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग, डॉक्टरों को दी ट्रेनिंग

नागरिक अस्पताल में रेपिड टेस्ट शुरू दो दिन में 15 सैंपल लिए, सभी निगेटिव

स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सुरेश ने अस्पताल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया

- एंबुलेंस सुविधा, टेस्ट किट, ऑक्सीजन सिलेंडर की जानकारी लेते हुए ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया
- अस्पताल में शनिवार को नौ व रविवार को छह लोगों को रेपिड टेस्ट किए गए

झज्जर। निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर सुरेश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर सुरेश ने नागरिक अस्पताल का दौरा करते हुए जिला स्तर पर कोविड संबंधित की गई तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने एंबुलेंस सुविधा, टेस्ट किट, ऑक्सीजन सिलेंडर की जानकारी लेते हुए ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण भी किया।

अधिकारियों के साथ की बैठक

बाद में उन्होंने डॉक्टरों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्थानीय टीम ने बताया कि जिले में अब तक कोई भी कोरोना पॉजीटिव केस नहीं आया है। शनिवार से ही सैपलिंग शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से रेपिड टेस्ट के लिए अस्पताल में अलग से काउंटर लगाए गए हैं। जिले में अब तक 15 के रेपिड टेस्ट किए जा चुके हैं। शनिवार को नौ टेस्ट किए गए।

जिनमें से झज्जर में पांच और चार टेस्ट बहादुरगढ़ में किए गए है। वहीं रविवार को भी छह टेस्ट किए गए है। जिनमें सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं डायरेक्टर डॉक्टर सुरेश ने कहा कि कोरोना को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है और सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि झज्जर में सभी चिकित्सकों को ट्रेनिंग दी गई है।

बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में बनाई गई फ्लू ओपीडी, कोविड का टेस्ट भी किया जाएगा

- ट्रामा सेंटर में शेड के नीचे फ्लू ओपीडी बनाई गई
- दोपहर दो बजे तक यह ओपीडी जारी रहेगी। इस ओपीडी में दवा, सेनेटाइजर, मास्क व इम्युनिटी बूस्टर दवा की भी व्यवस्था रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

देश में कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग हरकत में है। इसे देखते हुए बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल परिसर में अलग से फ्लू ओपीडी बना दी गई है। इस ओपीडी में खांसी, जुकाम, बुखार आदि से पीड़ित मरीजों को उपचार होगा। जरूरत पड़ने पर कोरोना टेस्ट भी किया जाएगा।

नागरिक अस्पताल के ट्रामा सेंटर में शेड के नीचे फ्लू ओपीडी बनाई गई है। जिसमें डॉक्टर व स्टाफ आदि की व्यवस्था कर दी गई है। दोपहर दो बजे तक यह ओपीडी जारी रहेगी। इस ओपीडी में दवा, सेनेटाइजर, मास्क व इम्युनिटी बूस्टर दवा की भी व्यवस्था की गई है। ट्रामा सेंटर में जांच के लिए लैब भी मौजूद है। खांसी, जुकाम, बुखार आदि लक्षणों से पीड़ित मरीजों का ओपीडी कार्ड बनने से ईलाज आदि तक इसी ओपीडी में होगा। यहीं पर दवा दी जाएगी। रविवार को ओपीडी में डॉक्टर मरीजों को परामर्श देते नजर आए। अगर कोई मरीज लंबे समय से बुखार से ग्रस्त होकर आता है तो उस पर विशेष नजर रहेगी। बता दें कि पिछली बार भी कोरोना के केस मिलने पर बहादुरगढ़ में इस तरह की स्पेशल फ्लू ओपीडी बनाई गई थी। लेकिन इस बार पहले ही तैयारियां की जा रही है। हालांकि बहादुरगढ़ में अब तक कोरोना का कोई केस मिलने की पुष्टि नहीं है। डॉक्टरों ने लोगों को जागरूक रहने और अपनी सेहत का ख्याल रखने की अपील की है।

बूंदाबांदी ने दिलाई गर्मी से राहत, मौसम गुलजार

झज्जर। बूंदाबांदी के बीच गुजरते हुए वाहन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

मौसम दिन प्रतिदिन अपना रंग बदल रहा है। रविवार को भी मौसम का मिजाज बदला। दोपहर तक आसमान में धूप निकली रही। लेकिन दोपहर बाद एक बार फिर मौसम ने करवट ली। आसमान में काले बादल छा गए और धूल भरी आंधी चलने लगी। बाद में रूक रूक कर कभी बूंदाबांदी तो कभी हल्की बारिश होने लगी। जिसके कारण मौसम खुशनुमा हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। रविवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे है।

आदित्य ने दिल्ली गेम्स में जीता स्वर्ण

बहादुरगढ़। अभिनव शूटिंग अकादमी बहादुरगढ़ के शीर्ष 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज आदित्य कुमार ने नई दिल्ली के सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हुए दिल्ली गेम्स में युवा पुरुष वर्ग स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। कोच प्रदीप कुमार ने बताया कि अकादमी के 35 निशानेबाजों ने हरियाणा प्री-स्टेट चैम्पियनशिप में भाग लिया और सभी 35 निशानेबाजों ने हरियाणा राज्य चैम्पियनशिप के लिए सफलतापूर्वक क्वालिफाई किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि आदित्य के उत्कृष्ट प्रदर्शन और दबाव में मानसिक संयम ने उन्हें प्रथम स्थान दिलाया है। दिल्ली ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कुलदीप वत्स, कोच दीपक कुमार दुबे, शगुन बोहरा और इशविंदरजीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में विजेताओं को पदक वितरित किए गए।

दीपक पूनिया, उदित ने रजत व अमन ने जीता ब्रांज

मंगोलिया में अमन, उदित व दीपक पूनिया ने जीते मेडल

बहादुरगढ़। मंगोलिया में आयोजित कुश्ती की रैंकिंग सीरीज में झज्जर जिले के पहलवान छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां के पहलवान ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत, अर्जुन अवॉर्डी दीपक पूनिया और प्रतिभाशाली उदित गुलिया ने अपने भारवर्ग में तीन मेडल जीते। इनकी जीत पर कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। दरअसल, 29 मई से एक जून तक मंगोलिया के उलानबटोर शहर में इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। मंगोलिया खेलने गए भारतीय दल में झज्जर जिले के भी चार पहलवान शामिल थे। वहां इन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और तीन पहलवान मेडल जीतने में कामयाब हुए। ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत ने 57 केजी फ्री स्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीता। जबकि अर्जुन अवॉर्डी दीपक पूनिया ने 92 केजी फ्री स्टाइल और उदित गुलिया ने 61 केजी फ्री स्टाइल में सिलवर मेडल हासिल किए।

देश का गौरव बढ़ाया

अमन सहरावत

उदित गुलिया

दीपक पूनिया

पहलवानों की जीत पर खेल प्रेमी खुश

इनकी जीत पर कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। पहलवान अमन सहरावत झज्जर जिले के बिरोहड़ गांव से हैं। अमन ने 2012 में कुश्ती का अभ्यास शुरू किया था। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनिशप एशियाई चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में देश के लिए मेडल जीत चुका है। छारा गांव का दीपक पूनिया ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुा है। एशियन गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को मेडल दिला चुका है। इनके अलावा, उदित जिले के गांव सुरहा से हैं। बेहद ही प्रतिभाशाली यह पहलवान एशियन चैंपियनशिप सहित राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में कई मेडल जीत चुका है। कुश्ती प्रेमियों ने कहा कि रैंकिंग सीरीज के ग्रीको, फ्री स्टाइल और महिला वर्ग में भारतीय पहलवानों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। कुश्ती जगत में भारत का भविष्य उज्ज्वल है।

आईएएस सुधीर से हुआ एचसीएस श्वेता का विवाह

बहादुरगढ़। कानपुर में नगर आयुक्त के पद पर कार्यरत बहादुरगढ़ निवासी आईएएस सुधीर कुमार का विवाह एचसीएस अधिकारी श्वेता सुहाग के साथ संपन्न हुआ। वर्ष 2018 बैच के आईएएस सुधीर कुमार बहादुरगढ़ के सेक्टर-6 में रहते हैं। जबकि एचसीएस श्वेता सुहाग वर्ष 2016 बैच की टॉपर रही हैं। वे फिलहाल कॉपरेटिव शुगर मिल रोहतक की एमडी हैं। कानपुर में आयोजित रिसेप्शन में सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पाण्डेय, यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व कैबिनेट मंत्री राकेश सचान समेत अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत करते हुए नवदम्पत्ति को आशीर्वाद दिया। सतीश तहलान ने बताया कि सुधीर के पिता जसमेर गहलोत दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत हुए हैं और मूलतः सोनीपत के रीढ़ाऊ गांव के रहने वाले हैं।

दुजाना के पास पिकअप और कार की टक्कर में युवक की मौत

झज्जर । क्षेत्र के गांव दुजाना के नजदीक पिकअप गाड़ी और कार की टक्कर हो गई। जिसके कारण कार सवार एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान शोहित निवासी बाजितपुर टप्पा हवेली के तौर की गई है।

पुलिस को दी शिकायत में सतपाल पुत्र बलबीर ने बताया कि उसका बेटा शोहित अपनी कार में सवार होकर दुजाना की ओर से झज्जर आ रहा था। इसी दौरान पिकअप गाड़ी चालक ने

लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए कार में टक्कर मार दी। जिसके उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने दम तोड़ दिया। मामले के जांच अधिकारी रविंद्र ने बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्यवाई अमल में लाई जा रही है। मामले के जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बार-बार वीडियो जारी कर नाराजगी जता रहे नप उपाध्यक्ष

■ जलापूर्ति पर अफसरों को घेरा तो उद्घाटनों की टाइमिंग को लेकर भी उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

परिवर्तन संसार का नियम है और यह नियम राजनीति में भी बराबर लागू होता है। कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता से लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता का सफर तय करने वाले नगर परिषद के उपाध्यक्ष राजपाल शर्मा उर्फ पाले बीते कुछ दिनों से लगातार खफा नजर आ रहे हैं। अपनी बात को बेबाकी से सार्वजनिक मंच पर रखने वाले पालेराम ने बीते 5 दिनों में दो बार वीडियो जारी कर अपनी नाराजगी जाहिर की है। नगर परिषद के उपाध्यक्ष पालेराम शर्मा ने पहली वीडियो 28 मई को इंटरनेट पर डाली। बुधवार रात 9 बजे पालेराम पार्षद प्रवीण कुमार उर्फ सोनू और पार्षद पति अनिल के साथ बहादुरगढ़ के मुख्य जलघर पर पहुंचे। उन्होंने एक मिनट 23 सेकेंड की वीडियो बनाकर इंटरनेट पर वायरल की।

वहां वीडियो बनाकर उन्होंने बताया कि वहां जलापूर्ति एवं अभियांत्रिकी विभाग का कोई कर्मचारी मौजूद नहीं है। उनके अनुसार एक्सईएन और एसडीई ने फोन नहीं उठाया। जबकि जेई ने स्वयं को किसी काम से स्वयं को बाहर गया बताया।

उन्होंने अंधेर नगरी चौपट राजा की कहावत का उल्लेख करते हुए अफसरों के प्रति कटु शब्द भी कहे। पालेराम ने वीडियो में बताया कि लाइनपार और शहर का बुरा हाल है। कोई व्यवस्था नहीं है। पानी के टैंक भरे हुए हैं। हालांकि सरकार कह रही है, पानी की कोई कमी नहीं है। लेकिन इन कर्मचारियों ने भट्ठा बैठा दिया है। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर दो दिन में व्यवस्था नहीं सुधरी तो एक तारीख को एक्सईएन के दफ्तर पर धरना देंगे।

बहादुरगढ़। रात में जलघर पर अफसरों की आलोचना करते पालेराम शर्मा।

- पालेराम ने बीते 5 दिनों में दो बार वीडियो जारी किए
- जलापूर्ति को लेकर शहर के अधिकारियों को घेरा
- उद्घाटन कार्यक्रमों पर स्थानीय नेतृत्व पर घेरा

बहादुरगढ़। शुक्रवार को उद्घाटनों की टाइमिंग पर सवाल उठाते पालेराम शर्मा।

वीडियो वायरल

पालेराम शर्मा ने शुक्रवार 30 मई को 33 सेकेंड की एक अन्य वीडियो वायरल की थी। इसमें उन्होंने रोहतक में सीएम की सभा के समय ही शहर में हुए उद्घाटन कार्यक्रमों की टाइमिंग को लेकर स्थानीय नेतृत्व पर निशाना साधा।

बिना किसी का नाम लिए निशाना साधा

बिना किसी का नाम लिए पालेराम शर्मा इस वीडियो में भी अपनी नाराजगी बखूबी जाहिर कर गए। विदित है कि शुक्रवार को भाजपा जिलाध्यक्ष विकास बाल्मीकि और भाजपा नेता दिनेश कौशिक की मौजूदगी में नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने करीब दो करोड़ की लागत से डिवाइडर के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ किया था। पालेराम शर्मा द्वारा जारी वीडियो के अनुसार आज (10 मई को) मुख्यमंत्री का रोहतक में परशुराम जन्मोत्सव मनाया जा रहा है, 11 बजे का समय मुख्यमंत्री का है और साढ़े 10 बजे का समय यहां उद्घाटन का रख दिया। आज का समय उद्घाटन का ना होकर के मुख्यमंत्री की सभा में, परशुराम जन्मोत्सव में पहुंचने का था। लेकिन जो चमचे बैठे हैं, मुख्यमंत्री की सभा को फेल करने के लिए ये प्रोग्राम कर रखा है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू

झज्जर। योग का अभ्यास करते हुए विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि आगामी 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिले में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। इसके लिए अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने एक विशेष ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल और टोल-फ्री नंबर जारी किया है। उन्होंने कहा कि नागरिक 9501131800 पर कॉल करके भी रजिस्ट्रेशन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर रविवार तक करीब दस हजार जिलावासी रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में योग दिवस के आयोजन की व्यापक तैयारी करने और अधिक से अधिक लोगों को ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। खास तौर पर शिक्षण संस्थानों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के लिए जागरूक करने को कहा है।

दशोटन

पहले लड़के के जन्म पर दादा 'दशोटन' किया करता था जिसमें वह सारे गाँव तथा आस-पास के गाँवों के लोगों को भोज पर आमंत्रित करता था। 'दशोटन' एक प्रकार का बड़ा भोज होता है, जिसमें परिवार के मुखिया की शान-शौकत का पता चलता था। आजकल यह प्रथा लुप्त प्राय: है। सारा परिवार शिशु के लाड़-लड़ाने तथा पोषण में व्यस्त हो जाता है। परिवार में वंशवृद्धि की सब खुशियाँ मनाते हैं लेकिन 'दशोटन' अब कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है।

लुप्त हो रही सांस्कृतिक धरोहर जन्म संस्कार

परम्पराएं

डा. रमाकान्ता

प्राचीन उपनिषदों में हिन्दू धर्म के अनुसार प्रत्येक मानव के लिए जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वहन करना अनिवार्य बताया गया है। इनमें गर्भ में (जन्म पूर्व) तीन संस्कार गर्भधारण, पुंसवन, सीमन्तोनयन, जन्म के बाद चार संस्कार, जातकर्म निष्क्रमण,अन्नपूर्णा चूड़ामणि संस्कार हैं।

वैवाहिक संस्कारों में पिशाच विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, आयुर्वेद विवाह प्राजापत्य विवाह,आर्ष विवाह, दैव विवाह एवं ब्राह्मण विवाह, सात प्रकार के विवाह माने गए हैं। सोलहवां तथाअंतिम संस्कार मृत्यु संस्कार माना गया है। संस्कार किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत होते हैं जिसमें उस प्रदेश के समाज की परंपराएं,धार्मिक-सामाजिक मान्यताएं-आस्थाएं मूल रूप में प्रतिबिंबित होती हैं। इनका संरक्षण करने का दायित्व समाज की नई पीढ़ी का होता है। संस्कारों की एक श्रृंखला का लुप्त होना आने वाली पीढ़ी का समाज की धरोहर से वंचित होना है। वही संस्कृति दीर्घकालिक अस्तित्व में रहती है जिसकी परंपराएं जीवित हैं।

हरियाणा प्रदेश में जन्म संबंधी संस्कारों में गर्भधारण के पश्चात सर्वप्रथम सातवें मास में गर्भवती की गोद भराई की रस्म की जाती है। उस के सफल प्रसव तथा पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया जाता है। उसे पीहर ससुराल पक्ष के लोग उपहार देते हैं। इस अवसर पर मंगल गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर गाया जाने वाला लोक मंगल गीत इस प्रकार है :

पाँच पतासे पन्ना का बिडला, ले गणपत पै जाईयो जी,
पाँच पतासे लौगा का जोड़ा, ले पितरां थै जाईयो जी

शिशु जन्म के बाद सभी रीतियों को संपन्न करते समय मंगल गीत के साथ जज्चा गीत गाए जाते हैं। इन गीतों में गर्भधारणा से लेकर ओजणे, कड़सूले, दाई गीत, होलर तथा व्यंग्य-हास्य गीत गाए जाते हैं :

मनै भावैं कराले के बेर रपैये के सेर, मेरा री मन बेर नै
सुसरे आगै अरज करूँ थी, मैनें हरी-हरी दाख मँगा द्यो जी

गर्भ धारण करने के पश्चात गर्भवती की खान-पान रुचि बदल जाती है कभी उसे उल्टी की शिकायत होती है तो कभी खाने की वस्तुओं में से दुर्गन्ध आती है। उसका मन नित नई चीजे (खट्टी-मीठी) खाने को करता है। इनमें बेर, मतीरा, आम, गोला, सिंघाड़ा, सांभर फली, दाख प्रमुख है।

कड़सूले : कड़सूले का अर्थ है 'प्रसव की झूठी पीड़ा'। प्रसव से पूर्व गर्भवती को प्रसव पीड़ा का आभास होता है, इसे 'नकली दर्द' भी कहा जाता है। इस अवस्था में गर्भवती तथा घर वालों के हाथ पैर फूल जाते है तथा झटपट दाई को शीघ्र बुलाकर लाने की व्यवस्था की जाती है -

भाज-लूज कै नै सासू धोरै आई, दाई नै बुला दे री
सास मेरी कड़ म्हं दर्द सै
पड़दे के ओल्हे राजा, खड़्या-खड़्या डोलै
कहो तै जच्चा दाई नै ल्यावां रै बुलाय

लोक भाषा में 'कड़सूल कड़ तथा सूल अर्थात, कड़ का अर्थ कमर एवं सूल का अर्थ दर्द। प्रसव में उठने वाली कमर की दर्द।

स्वप्न : प्रसव से पूर्व गर्भवती को कई प्रकार के सपने आते हैं। वह सपने में स्वयं को पीला (पीलिया) ओढ़े हुए देखती है। पीलिया दिखाई देना पुत्र जन्म का संकेत माना जाता है। एक गीत प्रस्तुत हैः

लाल पिलंग पै पिलियो धर सोई जी

प्रसवः प्रसव पीड़ी कव तीव्रता को भाँपते हुए घर की बड़ी - बूढ़ी, दाई अन्य समझदार महिला को बुलाकर लाने का आदेश गर्भवती अपने पति को देती है। इस अवर पर गर्भवती की मानसिक तथा शारीरिक अवस्था का चित्रण जन्म संबंधी लोक गीतों में सुन्दर ढंग से मिलता है -

नीची-नीच बगड़ बुहारूँ, दर्द उठ्या सै कमर महं
म्हारे पोहर तैं भंवर जो, माए बुला द्यो जी

शिशु जन्म : शिशु जन्म की घड़ी आ जाती है। जन्म होते ही थाल बजाकर गाँव को सूचित कर दिया जाता है। प्राचीन लोक परिवेश में समाज में पुत्र-जन्म की कामना की जाती थी। इतिहास साक्षी है कि पुत्री को जन्म के समय ही मार दिया जाता था अथवा पुत्री को सम्मान प्राप्त न था। पुत्री जन्म पर परिवार में शोक मनाया जाता था। उस के जन्म पर रीतियाँ सम्पन्न नहीं होती थी। यही कारण है कि लड़का-लड़की के अनुपात में भारी अन्तर आ गया। पुत्री जन्म पर गाए जाने वाले मार्मिक गीत उस समय की समाज की संकीर्ण मानसिकता के परिचायक हैं -

जिदिन लाडो तेरा जन्म होया था
एक रंगमहल की कूण, कन्या नै जन्म लिया

आज परिस्थितियाँ बिल्कुल बदल गई हैं। आज बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती है, पीलिया भेजा जाता है, कुआं पूजन होता है। बिरादरी तथा मित्रों में सहभोज दिया जाता है। यह परिवर्तन यकायक नही आया। बेटियाँ परिवार में बेटों से बढ़कर स्वयं को योग्य प्रमाणित कर रही है। यह सब शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो पाया है। आज बेटियाँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता प्रभावित कर रही हैं। अतः एक बेटी के जन्म से ही माता-पिता संतुष्ट हो जाते हैं तथा अन्य सन्तान की इच्छा ही नहीं रखते।

शिशु जन्म : वैज्ञानिक तथा जैनिक प्रक्रिया पूर्ण होने पर शिशु का जन्म हो जाता है। शिशु जन्म के पश्चात गर्भवती को 'प्रसूता' तथा लोकभाषा में 'जच्चा' कहा जाता है। शिशु-जन्म के पश्चात जच्चा-बच्चा को गर्म जल से स्नान कराया जाता है।

छुआणी : प्रसव के पश्चात जज्चा को गुड़, अजवायन, जीरा सौंफ तथा बादाम की तरल 'छुआणी' (पेय पदार्थ) गर्म-गर्म पिलाई जाती है। छुआणी प्रसव पीड़ा को दूर करती है तथा गर्भ के मल को साफ कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करती है।

घुट्टी पिलाना : जन्म के बाद शिशु को सर्वप्रथम शहद की 'घुट्टी' पिलाई जाती है। घुट्टी परिवार की वृद्ध स्त्री, माता अथवा बुआ द्वारा पिलाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह विश्वास किया जाता है कि शिशु घुट्टी पिलाने वाले व्यक्ति के अनुरूप गुणों वाला होता है इसलिए शिशु को घुट्टी पिलाने के लिए, ज्ञानवान, बुद्धिमान तथा गुणवान व्यक्ति का चयन किया जाता है। घुट्टी के रूप में शिशु की जीभ पर आस्थानुसार राम, ऊ अथवा राधे लिखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से शहद शिशु के पेट के मल को साफ करता है।

दुधी धुलाना :शिशु को स्तन-पान कराने से पूर्व जच्चा के स्तनों को अच्छी तरह गंगाजल, दूध और दूध से साफ तथा कीटाणु रहित किया जाता है। इस प्रक्रिया से जच्चा के स्तनों के बाद छिद्र खुल जाते है तथा स्तनों के ऊपर तथा आस-पास जमा हुआ कालापन भी साफ हो जाता है। माँ का दूध (स्तनपान) शिशु के लिए उत्तम आहार माना जाता है। माँ के दूध में सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व होते है। दूधी धुलाने की रीत घर की बेटी अथवा बुआ द्वारा सम्पन्न कराई जाती है उसे इस के लिए शगुन दिया जाता है।

> **लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी ''बेमाता'' शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है।**

नहाण बार केरे की रीत :शिशु जन्म के दूसरे अथवा तीसरे दिन 'नहाण बार' अथवा केरा घालने की रीत सम्पन्न की जाती है। जच्चा के कमरे के बाहर ओर एक ओर सातिए तथा दूसरी ओर छाबड़ी मंगल चिन्ह के रूप में गोबर द्वारा बनाए जाते हैं। ये दोनों शिशु जन्म के शुभ संकेत माने जाते हैं। इन के आगे वस्त्र (तीयल) तथा गेहूँ के दाने भी रखे जाते हैं। पड़ौस की महिलाएं 'केरे' के रूप में गेहँ के दाने अपने घरों से लाती है तथा पास रखी परात अथवा तसले में डाल देती हैं। यह भी एक प्रकार का शगुन माना जाता है। इन गेहूँ के दानों को घर की बेटी अथवा नाईन ले जाती है। इस अवसर पर मंगल गीत, पितर गीत तौर जच्चा गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर जच्चा के हँसी-ठिठोली करने के लिए, सीठने जैसे व्यंग्य गीत तथा हास्य गीत गाए जाते हैं।

छटी गीत इस प्रकार है :

रात छटी का आई खुशी हुई गात म्हं
पहली बधाई उसके दादा नै होवै
जिस की बेल बधाई, खुशी हुई गात क्हँ

शिशु जन्म के छटे दिन छटी मनाई जाती है। लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है। इस दिन 'बेमाता' के स्वागत में कई प्रकार के पकवान बनाए जाते है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि छठी के दिन सब कुछ खा लेने के बाद जच्चा सब कुछ खाना आरम्भ कर देती है जो शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।

सूतक लगना एवं शुद्धिकरण : जिस परिवार में शिशु जन्म लेता है उस परिवार में सूतक लग जाता है। सूतक से अभिप्रायः है 'अशुचिता' अर्थात 'अशुद्धता'। उस घर के मन्दिर में कुछ समय के लिए ज्योत-बत्ती भी नही लगाई जाती। घर के सदस्य किसी पूजा-पाठ में भी भाग नहीं ले सकते। पानी के साधन घड़ादि भी हटा दिए जाते है। 11-12वें दिन घर में यज्ञ करवाने के बाद घर का शुद्धिकरण किया जाता है। सूतक एक दादा की सभी पुत्र संतानों के घर लग जाता है।

पीहर में भेली भेजना : शिशु जन्म के पश्चात शिशु जन्म की सूचना के रूप में जच्चा के पीहर में गुड़ की भेली भेजी जाती है। पहले समय में यह पुत्र-जन्म पर ही भेजी जाती थी। भेली ससुर अथवा जेठ लेकर जाता था। वहाँ उसे शगुन रूप में धनराशि दी जाती थी। भेली भेजना शिशु जन्म का सूचक है। कुँआ पूजन के पश्चात बहन-बेटियों को उचित नेग देकर विदा किया जाता है। जन्म की इन परम्पराओं में से अधिकतर नेग-टेहले लुप्त हो गए हैं। आज की पीढ़ी की महिलाएं इन के नाम तक नहीं जानती। इस का मूल कारण यह है कि आजकल प्रसव पुरानी परम्परा के अनुसार निपुण 'दाईयों' से न करवाकर हस्पतालों में करवाया जाता है। प्रसव बाद के नेग-टेहले वहाँ सम्पन्न नहीं किए जाते। आज आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को इन परम्पराओं से अवगत अवश्य कराया जाना चाहिए।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जीवन वैतरणी

गुरु की आज्ञा मोक्ष दिखावै ध्यान हरि का धर जागा
ज्ञान, ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जाएगा

माता-पिता गुरु की सेवा करनी चाहिए चित लाकै
सेवा करकै पार हुवै या तू देख लिए मेवा खाकै
पुत्र चाहवै तो सन्त की सेवा मोह माया बिसराकै
धन चाहवै तो धर्म करा कर तीर्थों पै जा जाकै
भुखे न भोजन करवाकै,ताज शीश पर धर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

विद्वानों की सेवा कर जब मां सरस्वती का वासा हो
गऊ के घी में हवन करा कर कद्दे नहीं निराशा हो
पर त्रिया तै बचकै रहिये जब वंश बेल की आशा हो
अतिथि की सेवा करिये जब सफल तेरा घरवासा हो
आदम देह नै रासा हो ,जब चढ़ा पाप का भर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

चुगली चाटी करणिया मानस गुगा और बहरा हो
नाविक बिन नैया डूबै यो ज्ञान का दरिया गहरा हो
वो नर मुक्ति पावैगा जो श्री गुरु चरण मैं रहरा हो
नुगरे का कुण करै भरोसा जो सब तरिया तै बहरा हो
जो सत्संग न लहरा हो,वो अपने आप समर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

जो वेद शास्त्र रटले मानस वो वेदाचारी रहा करै
बिना भुख चाहें मेवा खाले वाह भी खारी रहा करै
दादा मांगेराम की सेवा कर वो आज्ञाकारी रहा करै
गुरु अमरसिंह बिलोटे आला वो अटल अटारी रहा करै
जडै गरुड़ सवारी रहा करै,तू महेंद्र सिंह डिगर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

कविता | संदीप शर्मा

साँझ निगोड़ी

ढळ-ढळ जावै नित ,साँझ निगोड़ी !
सांस चलैं सैं पर , जिंदगी तो थोड़ी !

आधी तो सोकै खोई ,रोकै भी खोई गई
लोभ और त्रिया मैं ,माया मैं मोही गई
बणना भी चाहुँ था मैं, सेठ किरोड़ी !

विषयों का पान कर् या, तन भी बिरान कर् या
राम नै दी जिंदगी का, मनैं अपमान कर् या
चढ़-चढ़ चाल्या मैं तो, ख्यालां की घोड़ी !

पढ़ अनजाण होया, खुद का ना ज्ञान होया
जन्म मनुष का हीरा, पशुआं समान होया
टूटी नहीं रै मेरी ,घमंड की ज्योड़ी !

मोती भी सीप होज्या ,जलता जै दीप होज्या
करले भलाई जै तूं , पार संदीप होज्या
ना तै सूखी जा सै तेरी, सासां की जोहड़ी !

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दरकते रिश्ते पहले एक-दूसरे के यहां आने-जाने से रिश्ते मजबूत होते थे और उनमें भावनात्मक लगाव पैदा होता था, अब पहले वाली बात नहीं रही

अब रिश्तेदारियों में नहीं , पर्यटन स्थलों पर बीत रहीं छुट्टियां

परिवेश

राज कुमार नरवाल

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ने वाली है। सब होटल फुल हो जाएंगे और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहेगी। देशभर से लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचेंगे तो अव्यवस्था होना लाजमी है। प्रशासन को भीड़ को कंट्रोल करने और उनके लिए व्यवस्था बनाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई करना भी स्थानीय प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पहले गर्मी की छुट्टियों में लोग अपने बच्चों को पर्यटन स्थलों पर न ले जाकर नाना-नानी, बुआ या मौसी के पास ले जाते थे। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत होते थे। रिश्तेदारों के बीच भावनात्मक लगाव पैदा होता था। अब लोग अपने बच्चों को रिश्तेदारियों में नहीं ले जाते। बचपन घरों में कैद हो गया है। एक दूसरे की देखा देखी या अपनी शान ओ शौकत दिखाने के लिए लोग पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। शहरी बच्चे छुट्टियों में गांव चले जाते थे। इस दौरान उन्हें ग्राम्य जीवन के बारे में जानने का मौका मिलता था। खेतों में उगाई जाने वाली सब्जियों, हरा चारा और अन्य फसलों की जानकारी हो जाती थी। खेतों में पेड़ पौधों और नदियों, नहरों, रजवाहों और खेतों की सिंचाई प्रक्रिया जानने का मौका मिलता था। खेती बाड़ी, पशुपालन के अलावा वहां के खान-पान और रहन-सहन की पूरी जानकारी मिल जाती थी।

दूध दुहना और दूध बिलौना सीखते थे। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को जानने का मौका मिलता था। गांव के जोहड़ में बच्चे तैरना सीख जाते थे। रात को सोते समय नाना-नानी, मौसा-मौसी अथवा बुआ-फूफा बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियां सुनाते थे, ये शिक्षाएं बच्चों के जीवन में काम आती थी। पिछले कुछ दशकों में रिश्तेदारों के बीच आपसी मेल-जोल में कमी और संबंधों में खटास आई है। इसका खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। लोगों ने रिश्तेदारियों में जाना कम कर दिया है।

लोग अपने बच्चों को तो रिश्तेदारी में भेजना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। जिस वजह से अगली पीढ़ी के बीच भावनात्मक लगाव नहीं बन पाता और रिश्ते केवल दिखावे के रह गए हैं। ऐसे में ब्याह-शादी के आयोजनों में रिश्तेदारों का शामिल होना भी केवल खानापूर्ति ही रह गया है। पहले रिश्तेदार के सुख-दुख में लोग दिल से शामिल होते थे। कोई बीमार हो जाता अथवा किसी की मौत हो जाती तो रिश्तेदारों को काफी दुख पहुंचता था। अब शोक और बीमारी में रिश्तेदारी में जाना केवल मजबूरी भर रह गया है। इसकी वजह यही है कि बच्चों को हम रिश्तेदारियों में आने-जाने का मौका ही नहीं देते। जिस वजह से अगली पीढ़ियों के बीच मेलजोल नहीं बन पाता, वरना रिश्तेदारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी।

गर्मी की छुट्टियों में हुनर सीखते थे बच्चे

गर्मी की छुट्टियों में लड़कियां घर के काम-काज करना सीखती थी ताकि ससुराल में उन्हें खाना बनाने और घर के दूसरे काम करने में दिक्कत न आए। माताएं लड़कियों को तरह-तरह के अचार बनाना और कपड़े सीलना सिखाती थी। इसी तरह पिता अपने बेटों को छुट्टियों में खेतों में ले जाते थे। उनसे खेत के काम करवाते थे। पशुओं को पानी पिलाने, उनको नहलाने और चराने का काम सिखाया जाता था। जिन लोगों के पास पशुपालन व खेती बाड़ी का काम नहीं होता था, उनके बच्चे रिश्तेदारियों में जाते थे, तो वहां पर वे ये काम सीख लेते थे।

अपरिचित जगहों पर होने लगी हैं शादियां

पहले रिश्तेदारों के जरिए ही युवक-युवतियों के ब्याह सगाई होते थे। बच्चे रिश्तेदारियों में आते जाते थे, तो उनके बारे में रिश्तेदारों को पूरी जानकारी होती थी। उनकी पढ़ाई लिखाई, उनके स्वभाव और उनके हुनर की पूरी जानकारी होती थी। लेकिन अब रिश्तेदारों तक को यह नहीं पता होता कि उक्त रिश्तेदार का बेटा या बेटी में क्या हुनर है और उनका स्वभाव कैसा है। पहले बताया जाता था कि हमारे फलां रिश्तेदार की बेटी या बेटा ऐसे हैं और तुम्हारे लिए यह रिश्ता बिल्कुल अनुकूल है। अब बिना परिचय वाली जगह से रिश्ते बनते हैं और जल्दी ही वे टूट भी जाते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

संबंध : रिश्तों में आपसी संबंध मधुर और मजबूत होने चाहिए। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान, विश्वास और सहयोग आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर मिल-जुल कर बातचीत करते रहना भी ज़रूरी है।

सम्मान और विश्वास: एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और रुचियों का सम्मान करना चाहिए। विश्वास रिश्ते की नींव है, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

सहयोग: मुसीबत के समय एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है।

क्षमाशील होना: एक-दूसरे की गलतियों को माफ करना चाहिए। इससे रिश्ते में प्यार और विश्वास बना रहता है।

संचार : नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते रहना चाहिए। यह रिश्तों को मजबूत बनाता है।

फिल्मों की कहानियां देती हैं सकारात्मक संदेश : संजय सैनी

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी कलाकारों ने प्रादेशिक संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की पहचान देश-विदेश तक पहुंचाई है, जिसमें हरियाणवी फिल्मों, लोक संस्कृति से जुड़ी रागनी, सांग तथा लोक संगीत के क्षेत्र की अलग विधाओं में कलाकारों का हुनर अपनी अलग ही पहचान रखता है। ऐसे ही कलाकार हैं संजय संजू सैनी, जिन्होंने एक छोटे से गांव से बॉलीवुड तक अपने अभिनय का सफर तय किया है। उन्होंने कई फिल्मों और वेबसीरीज की कहानियां लिखीं और उन पर बनी फिल्मों का निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है। उन्होंने अपने लेखन, फिल्म अभिनय और निर्देशन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिसमें कला की हर विधा समाजिक सरोकार के मुद्दों में सकारात्मक संदेशों का समावेश करने में सक्षम है।

हरियाणा संस्कृति संवर्धन में जुटे लेखक एवं निर्देशक संजय संजू सैनी का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को जींद जिले के गांव बरौली में एक किसान परिवार में कंवर सिंह और इंदू देवी के घर में हुआ। इनके पिता हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में अध्यापक पद पर कार्यरत रहे, जबकि माता गृहिणी हैं। इनके पिता नौकरी करने के अलावा खेती-बाड़ी में भी हाथ बंटाते थे। परिवार में इनके चाचा पंजाबी भाषा के अध्यापक हैं, जो सुरजीत बिंदरखिया की कैसेट लाते थे। शायद उसी के कारण उन्हें बचपन में कला व संगीत में अभिरुचि होने लगी। उनके गांव की ही एक टोली रागनी गाने और घढ़वे-बैंजो बजाती थी, तो वह भी चोरी छिपे उनके साथ रहता था। बकौल संजय सैनी, पहली बार उन्हें लिखने का एहसास उस समय हुआ था, जब उनके दोस्त के उपर प्रस्ताव लिखना था। संजू ने मॉय बेस्ट फ्रेंड को अलग-अलग तरीक़े से चार बार लिख दिया था। इसमें एक बार हास्य, फिर दुख, इसके बाद गंभीर और अंत में गुस्सैल तरीके से लिखा, तो उनके अध्यापक ने उनकी पीठ थपथपाई थी। दरअसल यह लिखने का कारण था कि सबके दोस्त एक जैसे कैसे हो सकते है? उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने दोस्त के साथ गलती से 'चंडीगढ में पंजाब कला भवन सेक्टर 16 गया, जहां उन्होंने मंचन देखा और फिर वहीं का होकर रह गया। नकी पहली कृति एक कविता थी, जो कि एक न्यूज़ चैनल की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई थी। दरअसल वह कॉलेज के दिनों में ही फिल्म की कहानी लिखने लगे थे। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई के दौरान रॉकी मेंटल की कहानी लिखी और सौभाग्यवश इसे चयनित कर लिया गया। इसके बाद मन में आया कि उन्हें लेखन कार्य को अपना करियर बनाना चाहिए। हाल ही में उनके कुछ प्रोजेक्ट बड़े प्रोडक्शन हाउस से आने वाले हैं। सैनी ने बताया कि उनके फ़िल्मों का सफ़र कुछ ऐसा रहा कि फ़िल्म की कहानी लिखने और अपनी लिखी फ़िल्म थिएटर में देखने का मौका मिल गया था, लेकिन तब भी इधर काम करने का इरादा कम ही था। लेकिन उनकी लिखी हुई पहली दोनों कहानियों पर फ़िल्म बनी, तो उनका खुद पर आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उन्हें लगा कि जो वह करने आया था वह उसी राह पर है। फिल्म निर्देशक संजय संजू सैनी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह डाक्टर नहीं बन पाया। मन में यह ऐसी पीड़ा बस गई कि नौकरी करना उनकी किस्मत में नहीं था, क्योंकि उनका लेखन की तरफ ज्यादा रूझान बढ़ता गया। वह असमंजस में रहे कि फिल्म लाइन का कोई भरोसा नहीं, फ़िल्म बन भी गई तो चलेगी या नहीं, इसका डर अलग रहा। इन सभी सवालों का जवाब उन्हें उनके स्वर्गीय दादा हवा सिंह ने देते हुए दिया कि बेटा खेती कौनसा सिक्योर है? लेकिन हमने भी तो जीवन निकाल लिया और उतार चढ़ाव आना जिंदगी का हिस्सा है। इसलिए जो कर रहे हो उस पर ध्यान रखते हुए शिद्दत से काम करो। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यहां से मिली मंजिल

लेखक एवं निर्देशक संजय सैनी ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेली है और राज्य स्तर के टूर्नामेंट तक खेला। उन्होंने कालेज की पढ़ाई के दौरान ही खेलों पर फिल्म 'रॉकी मेंटल' की कहानी लिखी और उसे फिल्म के लिए चुना गया। उन्होंने वेबसीरीज फिल्म अखाड़ा (एक और दो), स्कैम, पिंकी भाभी के किरदार की पटकथा लिखी और अभिनय भी किया। अखाड़ा के लिए उन्हें हिफ्फा से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों और उनके संघर्ष पर ही आधारित फिल्म 'अखाड़ा' वेबसीरीज को लेकर लेखक संजय सैनी काफी चर्चा में है। इसके निर्माण के लिए उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के गांवों और छोटे कस्बों में शोध कार्य करके यह वेब सिरीज लिखी है। वर्तमान में वह बॉलीवुड में दो हिंदी फ़िल्म, एक वेब सीरीज़ में बतौर लेखक और निर्देशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

खबर संक्षेप

अल्ट्रासाउंड केंद्र के बाहर खड़ी बाइक चोरी

रेवाड़ी। मॉडल टाउन एरिया में चोर एक अल्ट्रासाउंड केंद्र के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कसोला निवासी रोहित ने बताया कि वह अल्ट्रासाउंड केंद्र में कार्य करता है। घर से बाइक लेकर वह ड्यूटी पर आया था। बाइक अल्ट्रासाउंड केंद्र के बाहर खड़ी थी। दोपहर के समय वह बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। बाइक उसके जीजा के नाम पर पंजीकृत है। आसपास पूछताछ करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने पोक्सो सहित विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 30 मई को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। आरोप है कि नाबालिग बच्ची को कहीं ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकत की गई। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद थाना धारूहेड़ा के अधीन एक गांव निवासी आरोपी उदेश को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

उर्वरक कंपनियों पर रोक लगाए सरकार

रेवाड़ी। एसयूसीआई कन्युनिस्ट के राज्य सचिव का. सत्यवान ने कहा कि 13 उर्वरक कंपनियां नमूनों की जांच में किसानों के साथ धोखाधड़ी की जिम्मेदार मिली हैं। इन कंपनियों ने महंगे दामों पर खराब गुणवत्ता का उर्वरक बेचकर किसानों के साथ धोखा किया है। ऐसे उर्वरक से जमीन की उपजाऊ शक्ति पर विपरीत असर पड़ता है। सरकार को इन कंपनियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करते हुए इनके उत्पादन पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगे दामों पर घटिया उर्वरक देना किसानों पर अत्याचार से कम नहीं है।

मारपीट मामले में काबू किए तीन आरोपी

रेवाड़ी। सांपली में जमीनी विवाद के चलते 25 मई को मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कैलाश देवी के बयान पर उसके जेठ के परिवार के सदस्यों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। कैलाश देवी ने उसके पति व अन्य लोगों के साथ मकान बनाने के लिए नींव खुदाई के समय हमला करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने इस मामले में शील कुमार, अजय व अनिल को गिरफ्तार कर लिया। मारपीट में प्रयुक्त डंडे भी पुलिस ने बरामद किए हैं।

नकाबपोश युवक उड़ा ले गए मोटरसाइकिल

रेवाड़ी। मोहल्ला तोपचावाड़ा में नकाबपोश युवक एक बाइक चोरी कर ले गए। सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में सतपाल सैनी ने बताया कि उसने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। उसने अपने पड़ोसी गोविंद के घर के बाहर लगे कैमरे की फुटेज चेक की, तो मुंह पर कपड़ा लपेटे दो युवक बाइक चोरी करते हुए नजर आए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर केस दर्ज करने के बाद चोरी के आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज

रेवाड़ी। जाडरा के निकट अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मूंदी निवासी यशपाल ने 28 मई को पुलिस को सूचना दी थी कि जाडरा के पास एक व्यक्ति सड़क पर मृतावस्था में पड़ा हुआ है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में ले लिया था। काफी प्रयास के बाद भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस ने शव को पहले पहचान के लिए शव गृह में रखवाया। बाद में पोस्टमार्टम करा दिया गया। अब पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज करते हुए उसका पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

आनंद दास आश्रम में हनुमान चालीसा का हुआ सामूहिक पाठ

जो खेल गए प्राणों पे श्री राम के लिए, एक बार तो हाथ उठालो मेरे हनुमान के लिए..

■ गायक कलाकारों ने भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आनंद दास महाराज आश्रम में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभु श्रीराम और बाबा हनुमान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु अमित कुमार ने बताया कि अजय दास महाराज के सानिध्य में रजनीश हरित ने अपने सहयोगियों के साथ गणेश वंदना कर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। भजन कीर्तन में रजनीश हरित ने जो खेल गए प्राणों पे श्री राम के लिए, एक बार तो हाथ उठालो मेरे हनुमान के लिए..उमा शंकर वर्मा ने तेरी हो रही जय जय कार मेरे सतगुरु आनंद प्यारे की...नरेंद्र वर्मा ने राम से बड़ा राम का नाम, अंत में यही आएगा तेरे काम...राम नाम का सुमिरन करले, कौड़ी लगे ना दाम... गायक कलाकारों ने भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। धर्म प्रचारक रजनीश हरित ने बताया कि श्रीराम भक्त हनुमान की कृपा से मंदिर एवं धार्मिक स्थलों, श्रद्धालुओं के निवास स्थान पर हनुमान चालीसा का पाठ किया जा रहा है। बाबा हनुमान की आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर अमित कुमार, रजनीश हरित, उमा शंकर वर्मा, राजेंद्र, कालू, दयानंद, महावीर , सतबीर, विक्की, योगेश, समुंदर, हिमांशु सोलंकी, अंकित, अनिल सहित अन्य मौजूद रहे।

झज्जर। आनंद दास आश्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करते हुए गायक कलाकार।

दुनिया चले ना श्रीराम के बिना, राम जी चले ना हनुमान के बिना

झज्जर। सनातन धर्म प्राइमरी स्कूल के नजदीक प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में 31वां श्री श्याम मासिक संकीर्तन का आयोजन हुआ। श्याम बाबा का मनमोहक फूलों से श्रृंगार किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा खाटू श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर के पुजारी विनय तिवारी ने कहा कि श्याम बाबा की महिमा अपंरपार है। कार्यक्रम में हेमंत नंदा, कृष्ण सक्सेना, रोहित कटारिया, चिंटू सक्सेना, गौरव कौशिक, मोहित वर्मा सहित स्थानीय गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। हेमंत नंदा ने साथी हमारा कौन बनेगा तुम ना सुनोगे तो कौन सुनेगा..आ गया दर पे तेरे, सुनाई हो जाये...जिंदगी से दुखों की, विदाई हो जाये एक नजर कृपा की डालो, मानुगा अहसान..हारा हूं बाबा पर तुझ पे भरोसा है..मेरे सिर रख दो बाबा अपने ये दोनों हाथ.. रोहित कटारिया ने दुनिया चले ना श्रीराम के बिना, राम ना चले हनुमान के बिना..आदि भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। आरती के बाद खाटू श्याम को भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर समिति प्रधान मनोज वर्मा, मोहन जिंदल, ब्रिज मोहन बिट्टू कौशिक, कृष्ण सक्सेना, धीरज शर्मा, अंकुर गोयल, चिंटू सक्सेना, कृष्ण रोहिल्ला, रवि गेरा, कृष्ण बसवाल, राजेश भाटिया, सतीश, आनंद सिंघल, नंद किशोर सिंघल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कथा के चौथे दिन भगवान श्रीराम के विवाह का सुनाया वृंतात

झज्जर। नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर में महंत परमानंद गिरी महाराज की के सानिध्य में आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को ज्ञान की गंगा में डूबकी लगवाई। आचार्य उपेंद्र कृष्ण ने बताया कि रविवार को भगवान श्रीराम के विवाह का वृतांत सुनाया गया। जिसको सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए और श्रीराम के नाम जपकर नृत्य करने लगे। श्रद्धालुओं ने एक दूसरे को बधाईयां दी और जलेबी का प्रसाद वितरित कर खुशी जताई। इस दौरान श्री मृत्युजंय गिरी महाराज सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झज्जर। बाबा प्रसाद गिरी मंदिर में श्रीराम कथा का श्रवण करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्रीमद्भागवत कथा सुनकर हर्षित हुए श्रोता

बहादुरगढ़। गांव सराय औरंगाबाद में सरकारी स्कूल के निकट स्थित भवन में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। ब्रज धाम से पधारे नंद किशोर महाराज अपनी वाणी से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करा रहे हैं। ईश्वर की लीलाओं का वर्णन करने के साथ-साथ श्रद्धालुओं को धर्म व जीव हित में कार्य करने को प्रेरित कर रहे हैं। कथा के तीसरे दिन भी पंडाल में काफी तादाद में श्रद्धालु पहुंचे। मधुर धुन के बीच कथा सुनकर श्रोता भक्ति में डूब गए। कथा व्यास नंद किशोर महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत जीवन का सार है। इसके श्रवण मात्र से इंसान के जीवन में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। श्रीमद्भागवत की शिक्षा को अपना कर हम अपने जीवन को सरल व सफल बना सकते हैं। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम व कृष्ण की लीलाएं सुनाई, जिन्हें सुनकर श्रोता हर्षित हो उठे। इसके अलावा कई अन्य प्रसंगों के जरिये लोगों को धर्म, जीव व राष्ट्र हित में कर्म करने को प्रेरित किया। गत 30 मई को शुरू हुई इस कथा का सामापन आगामी छह जून को होगा। सात जून को यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ भंडारे का आयोजन होगा।

सैकड़ों लोगों ने लिया अहीर महापंचायत में भाग

झज्जर। महापंचायत में रवाना होते हुए वीरेंद्र दरोगा एवं अन्य प्रबुद्धजन। फोटो :हरिभूमि

■ पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा ने कहा कि अहीर रेजिमेंट हमारा न्यायसंगत हक हैं, जो हमें मिलना ही चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को अहीर रेजिमेंट के गठन के लिए आगामी रणनीति तैयार करने को लेकर सभी यादव संगठनों द्वारा रविवार को जिला महेंद्रगढ़ के गांव डोंगडा अहीर में महापंचात का आयोजन किया गया। जिसमें झज्जर जिला से यादव महासभा के पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा की अध्यक्षता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से काफी संख्या में लोग डोंगडा अहीर के लिए रवाना हुए। महापंचायत को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधान वीरेंद्र दरोगा ने कहा कि अहीर रेजिमेंट हमारा न्यायसंगत हक हैं, जो हमें मिलना ही चाहिए। अहीर रेजिमेंट के गठन के लिए पूरे देश में जहां भी झज्जर जिले के लोगों की ड्यूटी लगाई जाएगी वहीं यादव महासभा झज्जर तन मन धन से उपस्थित होकर अपना सहयोग करेगा। इस दौरान कृष्ण दहिया प्रदेश उपाध्यक्ष यादव महासभा, संजय यादव पूर्व उप प्रधान महासभा, सूबेदार मेनपाल, राजेंद्र,संतराम नंबरदार, कप्तान युद्धवीर सिंह, कप्तान रामावतार, वीरेंद्र , युद्धवीर बोहरा, सुनील सहित काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रेरणादायी संचालन कर रहा है भारत विकास परिषद : जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव दीपक जिंदल ने कहा महान हिंदू सन्यासी स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेते हुए, 1963 से सतत गतिशील यह राष्ट्रव्यापी संगठन है, जो देश भर में सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रेरणादायी संचालन कर रहा है। संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण जैसे जीवन सूत्रों को धारण किए प्रत्येक कार्यकर्ता समाज में समरसता, सांस्कृतिक उत्थान एवं संस्कारित सेवा के पुनीत अभियान से जुटा हुआ है। देखा जाए तो भारत विकास परिषद अनेकों प्रभावी गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंद की निःस्वार्थ सेवा में तत्पर है, एनीमिया मुक्त भारत अभियान, स्वास्थ्य सेवा, दिव्यांग सहायता, वनवासी कल्याण योजना, कोरोना काल में बेसहारा परिवारों की सहायता, निर्धन परिवारों की बेटियों को गोद लेना, कन्या पूजन जैसे अनेकों प्रकल्पओं के माध्यम से नए आयाम तय किए जा रहे हैं। वे रविवार को झज्जर शाखा के गठन से जुड़ी प्रक्रियाओं को गति देने के लिए यहां पहुंचे थे।

इस मौके पर मुख्य रूप से रामचरण सिंघला, प्रांतीय संगठन सचिव, मूल चंद जोशी, प्रांतीय उपाध्यक्ष, अशोक गुप्ता, क्षेत्रीय संयोजक, पर्यावरण, सतीश शर्मा जिला समन्वयक, पवन जैन, संरक्षक बहादुरगढ़ शाखा, मुरारी लाल, बहादुरगढ़ विवेकानंद शाखा अध्यक्ष उपस्थित रहे। शाखा प्रमुख की जिम्मेवारी अमित बलवंत पोपली को सौंपी गईं। साथ ही सेवा प्रकल्प के लिए आप और हम संस्था के संस्थापक विनीत पोपली और पर्यावरण प्रकल्प के लिए मिशन चुग्गा पानी सहित अन्य सामाजिक संगठनों का संचालन कर रहे धर्मेंद्र बसवाल को सौंपा गया है। बैठक की अध्यक्षता झंग बिरादरी के प्रधान कृष्ण लाल शर्मा ने की। संचालन जिला जिला समन्वयक सतीश शर्मा द्वारा किया गया।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव दीपक जिंदल एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कुटुंब प्रबोधन के जिला संयोजक एडवोकेट पंकज शर्मा, भाजपा के महामंत्री एडवोकेट रामफल सैनी, सैनी सभा के प्रधान रघुबीर सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष केशव सिंघल, डॉक्टर आनंद रोहिल्ला, आनंद सिंघल, जनमंच पत्रकार संघ के प्रधान तपस्वी शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि नवीन छाबड़ा बिट्टू आदि मुख्य रूप से शामिल हुए।

पुलिस ने रोहित हत्याकांड का आरोपी लिया रिमांड पर

रेवाड़ी। हत्या का आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

■ रिमांड के दौरान उससे हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जाटूवास के पास बीते शुक्रवार की रात युवक की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में मॉडल टाउन थाना पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान उससे हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद किया जाएगा। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। गत 30 मई की रात भाड़ावास निवासी रोहित घर से निकलने के बाद लापता हो गया था। इसके बाद उसका शव जाटूवास में कृष्ण के खेत में पड़ा मिला था। मृतक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने उसके पिता प्रदीप के बयान पर हत्या का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। पुलिस ने हत्या की गुत्थी तत्काल सुलझाते हुए जैतड़ावास निवासी नागर को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान नागर ने पुलिस को बताया कि वह और रोहित दोनों रात को शराब पी रहे थे। इसी दौरान उसका रोहित के साथ विवाद हो गया। रोहित को ज्यादा नशा होने के बाद उसने उस पर चाकुओं से हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

शैक्षणिक विकास में अभिभावकों की भूमिका विषय पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एम आर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हसनपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकुला के तत्वावधान में एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षा के बारे में अभिभावकों को शिक्षित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्राचार्या संगीता कोडान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यशाला में सीबीएसई द्वारा नामित दो विशेषज्ञ वक्ताओं सोनाली रौटेला डीपीएस द्वारका एवं रचना यादव एमएम पब्लिक स्कूल गुरुग्राम ने सहभागिता की। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षकों को वर्तमान शिक्षा प्रणाली में हो रहे परिवर्तनों, नई शिक्षा नीति की प्रमुख विशेषताओं एवं छात्रों के समग्र विकास में अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। वक्ताओं ने शिक्षकों को बच्चों के सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षणिक विकास में अभिभावकों की भूमिका को समझने एवं उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देने के लिए प्रेरित किया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अध्यापक एवं विषय विशेषज्ञ। फोटो :हरिभूमि

चौथे साथी की तलाश की जा रही, आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया

नमन हत्याकांड में सीआईए ने काबू किए तीन आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत 24 मई को कुतुबपुर में दो युवकों पर हमला करने के बाद एक युवक की मौत मामले में सीआईए ने हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके चौथे साथी की तलाश की जा रही है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। कुतुबपुर निवासी नितेश ने रामपुरा पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसके पास 25 मई की शाम को उसका दोस्त कुतुबपुर निवासी नमन आया था। इसके बाद वह और नमन उसकी स्कूटी से फ्लाईओवर के नीचे से नाईवाली चौक की ओर जा रहे थे। उसने आरोप लगाया था कि कुतुबपुर निवासी नितिन उर्फ डब्लू, हैप्पी, हेमंत उर्फ प्रियांशु व खजेला ने आगे खड़े होकर स्कूटी रुकवा ली। इसके बाद इन लोगों ने नमन और उस पर हमला कर दिया। दोनों को डंडों से पीटना शुरू कर दिया। नमन जान बचाकर भागने लगा तो इन लोगों ने उस पर सुएं से वार कर दिए। चोट मारने के बाद आरोपी धमकी देकर वहां से चले गए। मोहल्ला निवासी गुलशन ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। मारपीट में नमन को गंभीर चोटें आई थीं। उसे पहले ट्रॉमा सेंटर दाखिल कराया था। बाद में परिजन गंभीरावस्था में उसे प्राइवेट अस्पताल ले गए थे। थाना रामपुरा पुलिस ने 25 मई को नितेश के बयान पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। अस्पताल में उपचार के दौरान बीते वीरवार की रात नमन ने दम तोड़ दिया था।

रेवाड़ी। हत्या के आरोप में पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

नमन हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सीआईए ने जाल बिछा दिया था। सीआईए ने इस मामले में कुतुबपुर निवासी नितिन, पुनीत व हेमंत को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है, जिसकी तलाश की जा रही है। नमन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी मौत के बाद पूरा परिवार सदमे से बाहर नहीं निकल पाया है।

रेलवे स्टेशन पर महिला के गले की चेन चोरी

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री की सोने की चेन चोरी हो गई। जीआरपी ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

जीआरपी को दर्ज शिकायत में गुलाबी बाग निवासी मीनू देवी ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ दिल्ली जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर आई थी। हिसार-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन में चढ़ते हुए किसी ने भीड़ का फायदा उठाते हुए उसके गले की सोने की चेन चोरी कर ली। ट्रेन में चढ़ने के बाद उसे गले से चेन गायब मिली, तो उसने यात्रियों से पूछताछ की। इसके बावजूद चेन के बारे में कोई पता नहीं चला। जीआरपी ने महिला की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर लिया।

दुर्घटनाएं होने का बना अंदेशा, वातावरण भी कर रहे प्रदूषित

यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे जुगाड़ू वाहन, पुलिस के स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं

कंडम बाइक के पीछे रेहड़ी जोड़कर उन्हें लोडिंग व्हीकल बनाया गया है। उसे लोग जहां अपना सामान ढोने के लिए उपयोग में लाते हैं वहीं अपने परिवार के सदस्यों को भी एक जगह से दूसरी जगह छोड़ने में इसका प्रयोग कर रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। शहर की सड़क से गुजरते हुए जुगाड़ू वाहन। फोटो : हरिभूमि

जुगाड़ करके बनाए गए वाहन यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए सड़कों पर सरपट दौड़ रहे हैं। शहर में ऐसे जुगाड़ू वाहनों की संख्या में आजकल लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है।

इसे पुलिस की अनदेखी कहें या अनभिज्ञता की ऐसे जुगाड़ू वाहनों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। जहां निश्चित अवधि से अधिक समय पुरानी मोटरसाइकिल पर सवार को पुलिस द्वारा रोक लिया जाता है वहीं ऐसी मोटरसाइकिलों के जुगाड़ करके बनाए गए रिक्शा वाहनों पर सवार पांच से छह लोग भी बेखौफ होकर शहर के मुख्य चौक-चौराहों से गुजरते रहते हैं। ऐसे वाहनों में कई मोटरसाइकिल नंबर दिल्ली और अधिकांश यूपी से संबंधित है जिन्हें प्रयोग में लाया जा रहा है। लोगों द्वारा कंडम बाइक के पीछे रेहड़ी जोड़कर उन्हें लोडिंग व्हीकल बनाया गया है। उसे लोग जहां अपना सामान ढोने के लिए उपयोग में लाते हैं वहीं अपने परिवार के सदस्यों को भी एक जगह से दूसरी जगह छोड़ने में इसका प्रयोग कर रहे हैं। शहर में परचून के सामान की सप्लाई करने वाले, बर्तनों का कार्य करने वाले, गन्ने का जूस बेचने वाले, झाड़ू आदि की बिक्री करने वाले यहां की सब्जी बेचने वाले लोगों द्वारा ऐसी जुगाड़ू वाहन बनवाए जा रहे हैं।

हादसे होने का डर

ऐसे जुगाड़ू वाहनों से दुर्घटनाओं के बढ़ने का भी अंदेशा बना रहता है। मोटरसाइकिल या स्कूटर रिपेयरिंग करने वाले मिस्त्री चंद रुपयों के लालच में ऐसे वाहनों के निर्माण में सहयोगी बने हैं। इसके बाद वह कितने दिन चल पाए यह वाहन चलाने वाले पर निर्भर करता है। हालांकि ऐसे वाहनों में लगाई गई पुरानी कंडम बाइक या स्कूटर के चलते अधिकांश लोग आए दिन उनकी रिपेयरिंग कराते नजर आते हैं। सामान ढोने के काम में लाए जाने के चलते उन्हें रिपेयरिंग का खर्च, ढोए जाने वाले सामान के किराए मुकाबले सस्ता दिखता है जिस कारण वे रिपेयरिंग करवाते रहते हैं।

ऐसे वाहनों से गिर रहा है स्वच्छ हवा का स्तर

दिनों-दिन बढ़ती जा रही वाहनों की अधिकता के कारण जहां एयर क्वालिटी खराब होती जा रही है वहीं स्वच्छ वायु को प्रदूषित करने में ऐसे जुगाड़ू वाहनों का भी अहम रोल है। कंडम बाइकों से बनाए गए ये वाहन धुआं छोड़ते हुए सड़कों पर सरपट दौड़ते हुए लोगों के स्वास्थ्य से खेल रहे हैं।

डीसी ने भी कानूनी कार्रवाई करने के दिए थे निर्देश

गौरतबलब है कि डीसी ने सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर गठित जिला स्तरीय कमेटी की बैठक में जिला में अगर कोई भी मैकेनिक बाइक में पटाखा फोड़ने वाला साइलेंसर लगाते हुए या पुरानी मोटरसाइकिल से जुगाड़ वाहन तैयार करते हुए मिला तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और सड़क पर पटाखा फोड़ते हुए बाइक या जुगाड़ वाहन मिले तो उसे तुरंत जब्त कर करने के निर्देश दिए थे, लेकिन उसके बावजूद भी शहर की सड़कों पर जुगाड़ वाहन सरपट दौड़ रहे है।

सैनी समाज ने रामनिवास का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। रामनिवास सैनी को बधाई देते सोनू सैनी व शीला राठी।

इनेलो का शहरी जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर रामनिवास सैनी का नया गांव में सैनी समाज द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। समारोह में समाज के बुजुर्ग लोगों ने रामनिवास सैनी को इनेलो की हरी पगड़ी पहनाई और फूलों की मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सज्जन सैनी ने किया।

नवनियुक्त शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी, इनेलो की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी व समाज के लोगों ने इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला समेत शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। रामनिवास सैनी ने स्वागत के लिए समाज के लोगों का भी आभार जताया।

उन्होंने कहा कि वे पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। इनेलो में सभी वर्गो को सम्मान मिलता है। लोग भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से तंग आ चुके हैं और लगातार इनेलो से जुड़ कर रहे हैं। शीला राठी ने स्व. नफे सिंह राठी के साथी रहे रामनिवास सैनी को शहरी अध्यक्ष बनाने के लिए इनेलो के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। इस मौके पर रोहताश सरपंच, पूर्व सरपंच जगबीर, राज सिंह सैनी, पूर्व सरपंच करतार सिंह, कृष्ण पप्पू दलाल, प्रमोद दलाल, बलबीर सैनी, संजय सैनी, सुरेश सैनी, देवी सिंह सूबेदार, केसी सैनी, सोनू सैनी, तुलसा देवी व सुदेश आदि मौजूद थे।

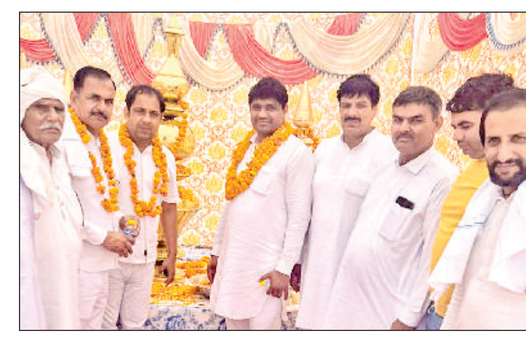
बहादुरगढ़। भंडारे में पहुंचे ब्लॉक पार्षद व अन्य ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी खेड़ा मंदिर में हुआ भंडारा

बहादुरगढ़। रविवार को गांव रेवाड़ी खेड़ा में दादा गूगन वाला मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक कलाकार सुरेश निढानियां व दीपक आकुपुरिया ने हरियाणवी रागनी गाकर समा बांध दिया। ब्लॉक पार्षद आर्य प्रमोद छारा ने कहा कि छारा और रेवाड़ी खेड़ा के भाईचारे के बारे में बताया। इस दौरान सत्यवान दलाल, अजीत दलाल, देवेंद्र पहलवान, कुलदीप, प्रवेश, कृष्ण, बलजीत, धीरे, जोगेंद्र, अजीत, रवींद्र, सत्यनारायण, उमेद, मुकेश, देवेंद्र मास्टर, सुंदर, प्रवीन व जयप्रकाश आदि ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

सैनी ने सीएम से फिर लगाई गुहार

बहादुरगढ़। ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी ने एक बार फिर दिल्ली के हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात कर विकास कार्यों को जल्द पूरा करवाने की गुहार लगाई। साथ ही झूठी शिकायतें देकर गुमराह करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। जसबीर सैनी ने 200 बैड के हॉस्पिटल को जल्द पूरा करवाने, सेक्टर-9/9ए के बची हुई टूटी सड़कों को बनवाने, तैयार हो चुके अटल सेवा केंद्र शुरू करवाने, जाखोदा गांव में सीवर लाइन डलवाने आदि की मांग की। हालांकि उन्होंने भी सेक्टर-9/9ए में बनाई गई सड़कों की गुणवत्ता को खराब बताते हुए विजिलेंस जांच की मांग की। इस अवसर पर पुनीत, शिव, दीपक, अजित, कृष्ण, हरीश, नीरज, अशोक आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। सीएम नायब सैनी को मांग पत्र देते जसबीर सैनी।

हर ग्रुप में टॉपर रहे चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी के तैराक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। विजेता तैराकों को सम्मानित करते महेंद्र पहलवान और अनिल खत्री।

एचएल सिटी में सोमवार को आयोजित झज्जर जिला तैराकी प्रतियोगिता में चैंपियंस एक्वेटिक अकेडमी के तैराकों ने सबसे ज्यादा मेडल हासिल किए। प्रतियोगिता का शुभारंभ 1971 युद्ध में संग्राम मेडल और स्पेशल ड्यूटी मेडल विजेता महेंद्र पहलवान ने किया।

पहलवान महेंद्र खत्री ने सिटी बजाकर तैराकी प्रतियोगिता के इवेंट्स की शुरुवात करवाई। साथ ही तैराकों को नशे और बुरी आदतों से दूर रहकर सात्विक और पौष्टिक खाना खाने, लग्न से कोचों के मार्गदर्शन में पूरी मेहनत करने का संदेश दिया। उन्होंने हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री के साथ विजेता तैराकों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। जिला तैराकी संघ के प्रधान विजय गहलावत और सचिव सुनील कादयान ने बताया कि सीनियर ग्रुप में करीब 30, जूनियर ग्रुप्स में 80 और सब जूनियर ग्रुप्स में लगभग 50 तैराकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में फ्री स्टायल, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई, बैक्स्ट्रोक, इंडिविजुअल मेडले में अलग अलग ग्रुप्स के तैराकों ने अपने जौहर दिखाए। जिला तैराकी प्रतियोगिता के विजेता तैराकों को ही राज्य प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। सीनियर नेशनल तैराकी प्रतियोगिता के लिए हरियाणा की टीम का ट्रायल भी चैंपियंस एक्वेटिक अकेडमी के स्विमिंग पूल पर 3 जून को होगा। इस मौके पर हरियाणा तैराकी संघ के सदस्य सुरेश जून, अजीत धनखड़, सुनील खत्री, विकास, कोच साई जाधव, पदमपाल, साहिल शर्मा, कृष्णमुरारी, विशाल, बंटी, हर्ष कौशिक, अभिषेक तोमर, बलवान कादयान, प्रदीप, सोहन, सत्यनारायण, दिनेश खत्री और योगिता आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। अतिथियों का स्वागत करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

बाबा हरिदास के निर्माणधीन मंदिर में हुआ धार्मिक आयोजन

बहादुरगढ़। गांव छुड़ानी में निर्माणधीन बाबा हरिदास मंदिर परिसर में छठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रधान विनोद सहित ग्रामीणों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधान परिवार के सहयोग से धाम में एक लाख 30 हजार के भंडारे का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि पंडित जय सिंह व शिक्षाविद् धर्मवीर शर्मा ने भी मंदिर निर्माण के लिए 51 हजार रुपये का दान दिया। हवन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। हवन में आहुति डालकर सुख समृद्धि की कामना की गई। इसके बाद भंडारा शुरू हुआ। जिसमें छुड़ानी व आसपास लगते गांवों के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भजन मंडलियों ने भजनों के जरिये बाबा हरिदास व बाबा गरीबदास की महिमा का बखान किया। पंच रणबीर सहवाग, सतबीर, बिट्टू, सुमन आदि भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। ग्रीन बेल्ट में श्रमदान करते पर्यावरण प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण प्रेमियों ने पौधों को संभाला

बहादुरगढ़। पर्यावरण प्रेमियों की ओर से रविवार का गोरैया ग्रीन बेल्ट में श्रमदान किया गया। खरपतवार उखड़कर पौधों को संवारा गया। उनमें पानी दिया गया। छोटे बच्चों और किशोरों ने भी इस कार्य में सहयोग कर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी दिखाई। दरअसल, संघर्षशील जनक्लयाण सेवा समिति सांखोल और क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट की ओर से इस बेल्ट को जंगल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें काफी पौधे लगाए जा चुके हैं। हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण प्रेमी लगातार यहां श्रमदान करते हैं। संस्था के सदस्यों का कहना है कि प्रकृति का संतुलन बरकरार रखने के लिए हरियाली बेहद जरूरी है। हम सभी को इस दिशा में मिलकर प्रयास करने होंगे। पौधे लगाने होंगे और पेड़ बनने तक उनका संरक्षण करना होगा। इसके साथ ही अपने बच्चों को भी इस मुहिम में शामिल करना होगा।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले में सोमवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जिसमें नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगा, जबकि उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली और बेरी में भी सुबह दस से बाहर बजे तक दो घंटे समाधान शिविर लगाए जाएंगे।

बहादुरगढ़। भाविप पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न देते अस्पताल के पदाधिकारी।

भाविप ने गऊ अस्तपाल में दी दवाइयां और तूड़ा

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा रविवार को बालौर रोड स्थित कामधेनू अस्पताल एवं गोशाला में बेसहारा गऊओं के लिए एक ट्रक तूड़ा और दवाइयों का प्रबंध किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी, जिला समन्वयक सतीश शर्मा व ट्रस्टी रामफल सिंगला भी उपस्थित रहे। भाविप की विवेकानंद शाखा के संरक्षक पवन जैन, मनीष मित्तल, विनोद शर्मा, सुरजीत चावला, अध्यक्ष मुरारी लाल गोयल, दीपक गर्ग, अंशु जैन, केएन गुप्ता, अशोक गोयल और घनश्याम गुप्ता ने इसमें विशेष योगदान दिया। पवन जैन ने कहा कि गाय की सेवा करने से हमें पुण्य मिलता है। हम व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझकर यह कार्य करना चाहिए। गाय में सभी देवी देवताओं का वास होता है। मुरारी लाल गोयल और नीरज गर्ग ने बताया कि भाविप के सदस्य नियमित रूप से गऊ सेवा करते रहते हैं। परिषद के सदस्य राजबीर बंसल के सहयोग से कामधेनू अस्पताल में घायल हुई गऊओं के लिए एंटी बायोटिक और एंटी एलर्जिक दवाइयां दी गई। कामधेनू अस्पताल के महासचिव रमेश गर्ग, उपाध्यक्ष राजेंद्र मित्तल, नरेंद्र अलगौड़ा, महामंत्री विनोद गोयल और विनोद गुप्ता ने परिषद के सदस्यों का आभार जताया। इस अवसर पर सुनील बंसल, अतिन गुप्ता, चंचल गर्ग, बलबीर दास, सौरभ, प्रवीण सिंघल, संजय गर्ग, पवन सैनी आदि उपस्थित रहे।

लोवा खुर्द, भापड़ोदा व बहादुरगढ़ ने जीते मुकाबले

बहादुरगढ़। गांव लोवा खुर्द में लव-कुश फुटबॉल लीग के चौथे सत्र का आगाज हो गया। लीग की शुरुआत इंस्पेक्टर सतीश कुमार, अरूप दास व विनोद जून ने कराई। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने बच्चों को नशे से दूर रहने को प्रेरित किया। कोच सुदर्शन सिंह ने बताया कि लीग में करीब 30 टीमें भाग ले रही हैं। यह लीग दो महीने चलेगी। आठ से 14 साल तक के 300 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। मैच हर रविवार को करवाए जाएंगे।

- **लोवा खुर्द में लवकुश फुटबॉल लीग का आगाज**

रविवार को लीग में अंडर-10 में पहला मुकाबला लोवा खुर्द ने इंडूज रेपिड से 5-0 के अंतर से जीत लिया। दूसरे मुकाबले में सिटी बहादुरगढ़ ने इंडूज आयरन को 7-2 से हराया। तीसरे मुकाबले में भापड़ोदा ने खेड़ी जट को 5-0 से हराया। सक्षम, आरव, निशु, प्रतीक ने गोल किए। अंडर-12 में इंडूज काइट ने 2-0 के अंतर से मुकाबला जीता। दूसरे मुकाबले में सिटी बहादुरगढ़ ने भापड़ोदा को 2-0 से हराया। तीसरे मुकाबले में लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब व खेड़ी जट का मुकाबला 1-1से बराबरी पर रहा। चौथे मुकाबले में इंडूज स्ट्रोम ने एलकेएससी जी को 5-0 से हराया। अंडर-14 में लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने इंडूज डावेस को 5-0 से हराया। बाबा भोला फुटबॉल क्लब को सिटी बहादुरगढ़ ने 6-2 के अंतर से हराया। तीसरे मुकाबले में जहांगीरपुर ने इंडूज सन को 5-3 से हराया। चौथे मुकाबले में भापड़ोदा ने एलकेएससी स्टार को 5-3 से हराया। दीपांशु, निखिल, नमन, अतुल, आकाश, हर्षित, आदित्य, टीनू सागर, श्लोक रेफरी की भूमिका में रहे। कमेटी प्रधान नरेश कुमार ने सभी अतिथि व कोच मैनेजर का धन्यवाद किया। लाल मास्टर, बीजे, विपिन, रॉबिन, डॉ. कुलदीप, विनय कोच, कोच रितु रानी, अजित राठी, आशीष, अमित, संदीप, पराग, चिराग आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। खिलाड़ियों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

जीवन को सुनने, समझने और अभिव्यक्त करने की कला है संगीत

जिले में केवल नेहरू कॉलेज में उपलब्ध है संगीत विषय

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। संगीत प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए विद्यार्थी। फाईल फोटो।

जब भी शिक्षा और करियर के विकल्पों की बात होती है, तो अक्सर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स के मुख्य और पारंपरिक विषयों की चर्चा होती है। इन सबसे अलग, एक ऐसा विषय भी है जो केवल शैक्षणिक ज्ञान नहीं देता, बल्कि जीवन के हर स्वर को सजीव कर देता है, वह है-संगीत। संगीत केवल सुर, ताल और रागों का अध्ययन नहीं है। यह जीवन को सुनने, समझने और अभिव्यक्त करने की कला है।केवल नेहरू कॉलेज में है संगीत विषयः राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि जिले में केवल राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में बीए में संगीत विषय उपलब्ध है। खास बात यह है कि यहां संगीत गायन और वादन दोनों विषय उपलब्ध हैं और संगीत के ये दोनों विषय हरियाणा के बहुत ही कम कॉलेजों में हैं। संगीत विषय का कॉम्बिनेशन इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान जैसे मुख्य विषयों के साथ है। इसके अलावा संगीत गायन और संगीत वादन को भी एक साथ पढ़ा जा सकता है।

आत्मा की भाषा है संगीतः डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि संगीत पढ़ना आत्मा की भाषा सीखना है। संगीत सुनते समय व्यक्ति ध्यान की अवस्था में चला जाता है, जिससे तनाव, चिंता, अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं कम होती हैं। आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में जहां मानसिक तनाव आम हो गया है, वहां संगीत एक औषधि की तरह काम करता है। संगीत पढ़ने से विद्यार्थी न केवल तनावमुक्त रहते हैं, बल्कि उनके भीतर शांति, सहनशीलता और संतुलन का विकास होता है। रागों और सुरों की साधना मन को एकाग्र करती है और आत्मा को गहराई से जोड़ती है।

गायन और वादन दोनों में विशेषज्ञता

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थी संगीत विषय में गायन (वोकल) और वाद्य वादन (इंस्ट्रूमेंटल) को चुनते हैं। गायन संगीत की वह शाखा है जिसमें मानव स्वर को साधन बनाया जाता है। यह राग, ताल, लय, भाव और अभिव्यक्ति के संतुलन से निर्मित होता है। वादन में किसी साज के माध्यम से संगीत की अनुभूति होती है। वादन में हारमोनियम, सितार, बांसुरी, तबला, वीणा, सरोद, पियानो, ड्रम्स और गिटार जैसे वाद्य यंत्रों का अभ्यास और तालों की संगति का ज्ञान होता है।

केवल शौक नहीं करियर भीः डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि संगीत विषय एक शौक या परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूर्णकालिक करियर बन चुका है। डिजिटल युग में संगीत में करियर के कई विकल्प हैं। गायक, वादक, कलाकार, संगीत शिक्षक, संगीत निर्देशक, म्यूजिक थैरेपिस्ट, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर स्वतंत्र संगीतकार बना जा सकता है और रेडियो, टेलीविजन तथा फिल्म इंडस्ट्री में भी कार्य किया जा सकता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पहचान बन सकती है।

सामूहिक सहयोग और सामाजिक कौशल में वृद्धि

डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि संगीत का अभ्यास अक्सर सामूहिक होता है। चाहे वह गायन में संगति हो, वादन में तालमेल हो या मंच प्रस्तुति में सहयोग। इससे छात्रों में टीमवर्क, सहिष्णुता, सुनने की आदत और सामाजिक संवाद की क्षमता विकसित होती है। आज के युग में ये कौशल किसी भी क्षेत्र में सफलता के मूल मंत्र हैं। आत्मविश्वास, मंच प्रस्तुति और संप्रेषण क्षमता को बढ़ाता है। यह विषय न केवल कला सिखाता है, बल्कि अनुशासन, आत्मीयता, सृजनशीलता और करुणा जैसे गुण भी विकसित करता है। इसलिए यदि आप जीवन को केवल समझना ही नहीं, बल्कि महसूस करना, गुनगुनाना और जीना चाहते हैं तो संगीत विषय चुनिए। यह न केवल आपके करियर को संवार सकता है, बल्कि आपकी आत्मा को भी सुरमयी बना सकता है।